नाचने वाली बत्तख

लेखक : सिड

नाचने वाली बत्तख
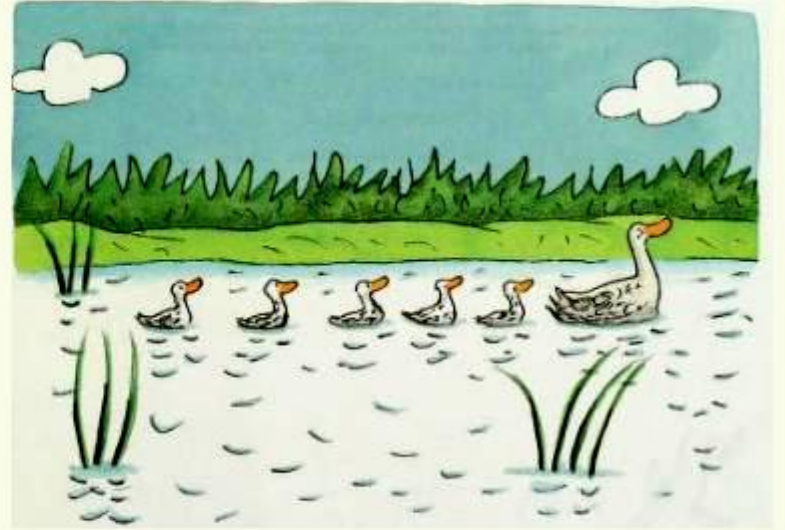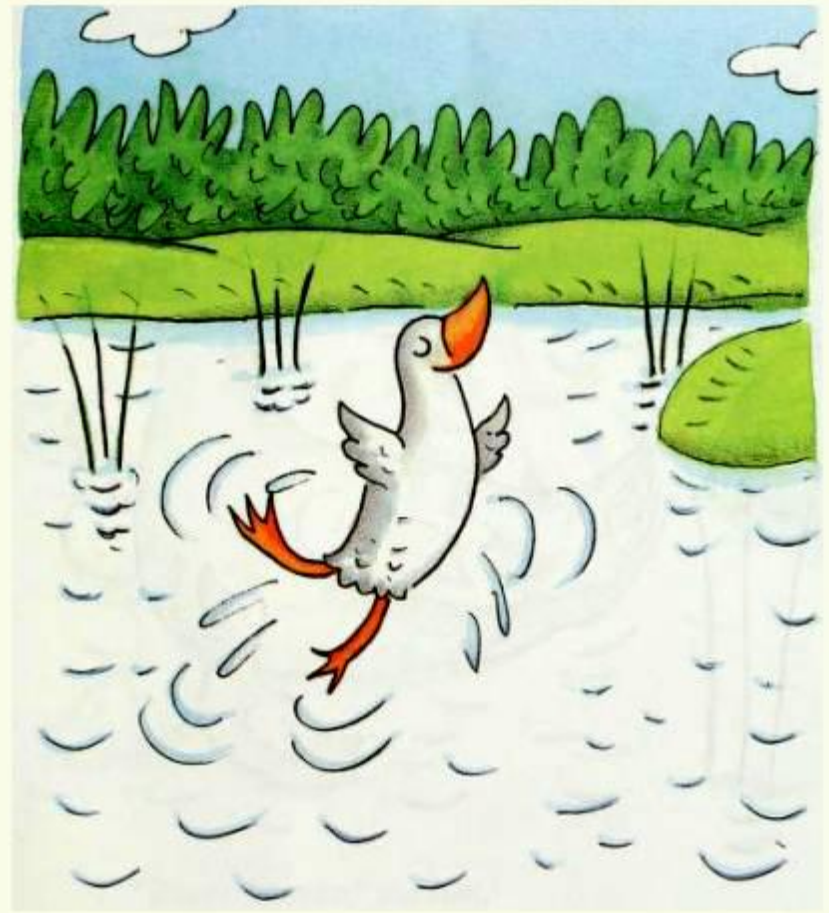
एक दिन एक छोटी बत्तख ने तालाब में नाचना शुरू किया.
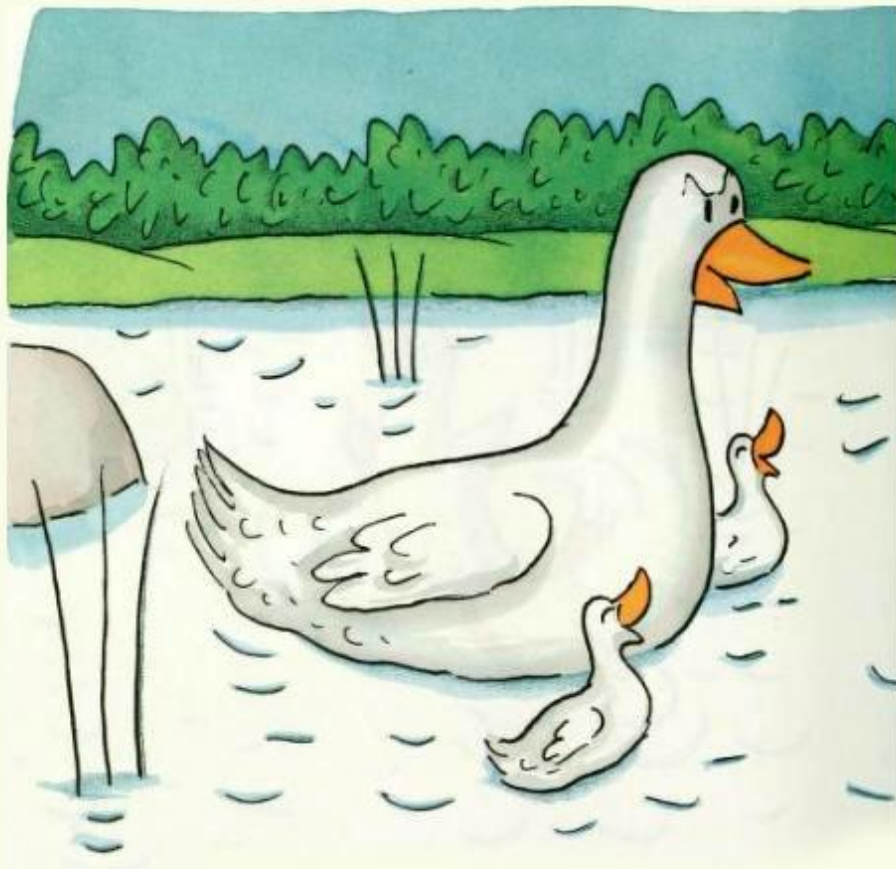
दूसरी बत्तखें उसे देखकर खूब हंसीं.
पर माँ को छोटी बत्तख का नाचना पसंद नहीं आया.
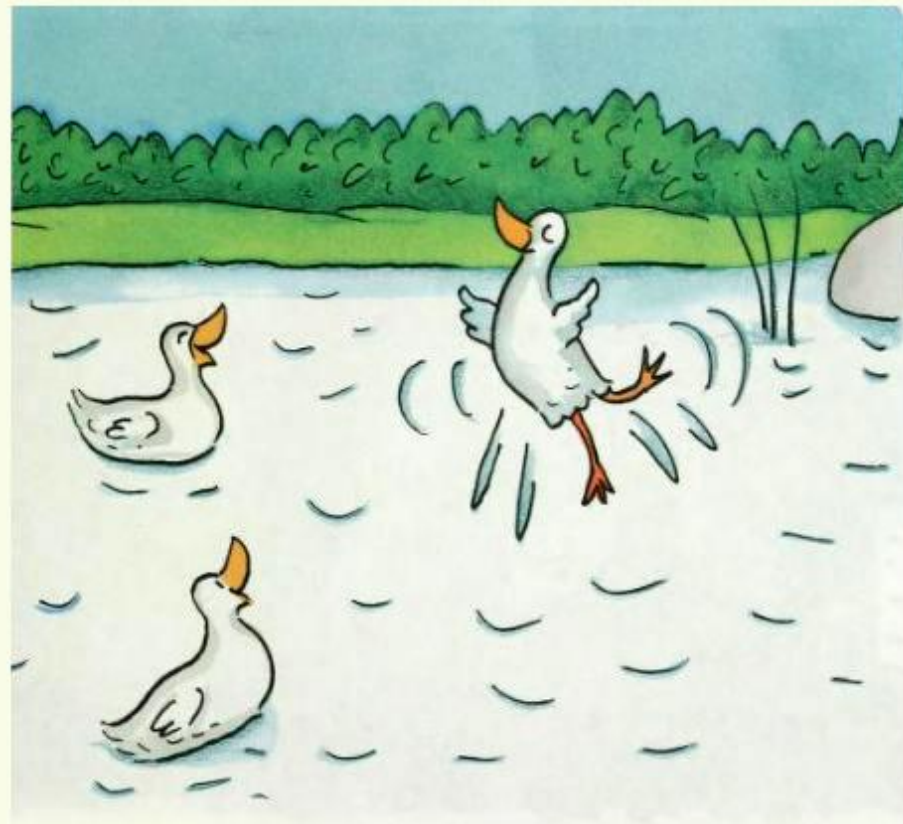
"सुनो, डंकन," माँ ने छोटी बत्तख से कहा.
"अपने भाई-बहनों जैसे ही सीधी लाइन में तैरो."
पर छोटी बत्तख डंकन में नाचने में बहुत मज़ा आ रहा था.
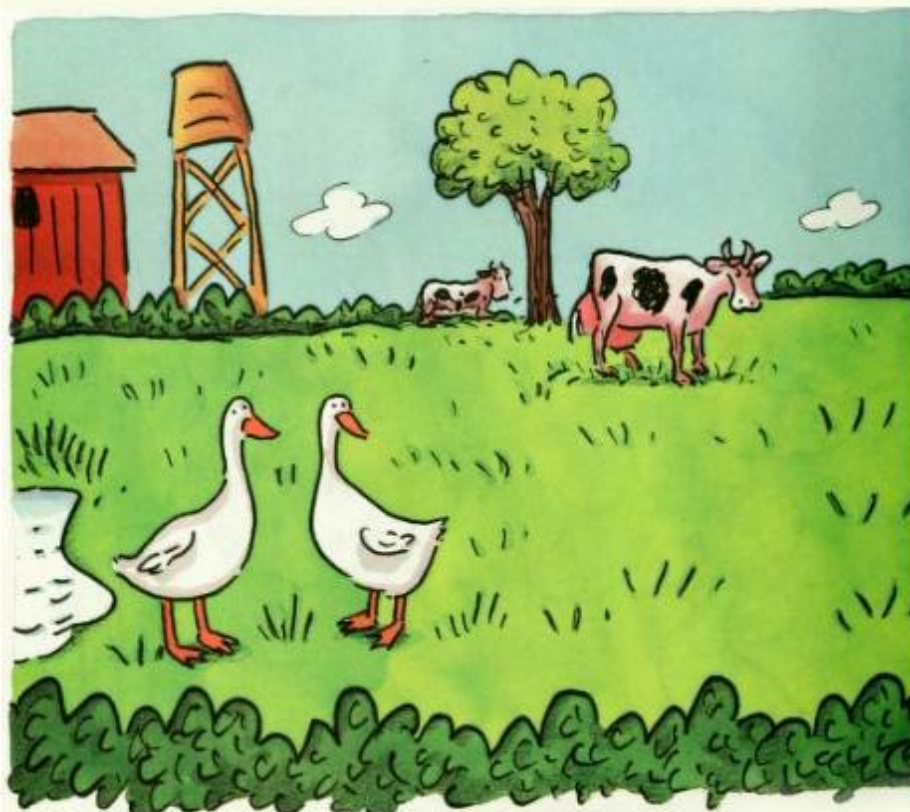
डंकन नाचते हुए तालाब से बाहर निकली.
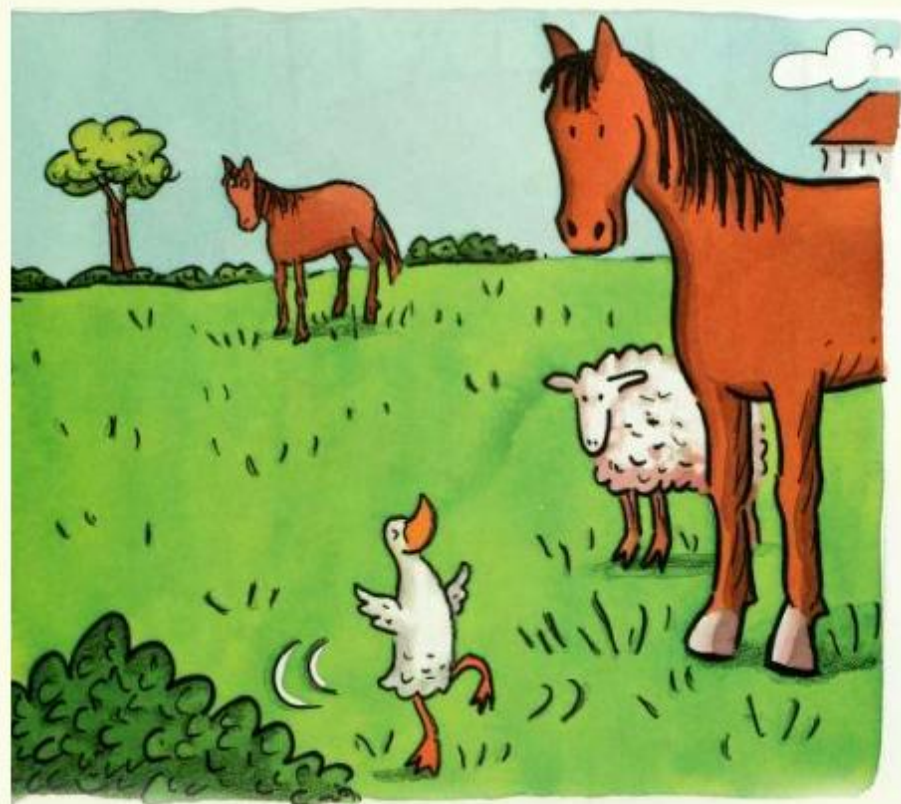
फिर वो पूरे फार्म पर नाची.
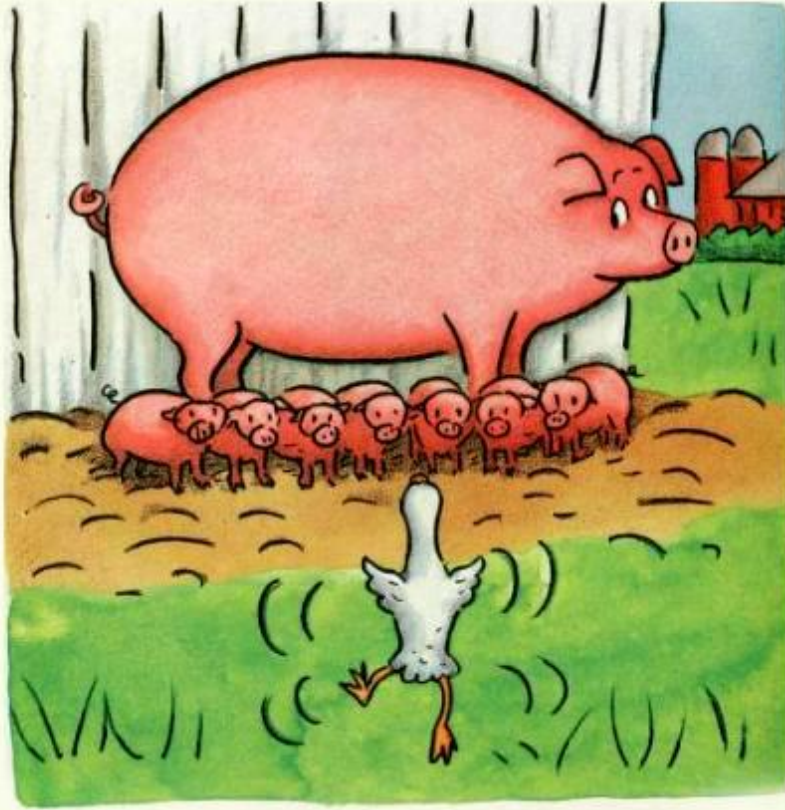
छोटे सूअरों ने उसे नाचते हुए देखा.
पर वे कीचड़ में अपनी माँ के साथ ही रहे.

मुर्गी के चूज़ों ने भी छोटी बत्तख को नाचते हुए देखा.
पर वे भी अपने-अपने काम में व्यस्त रहे.
पर उससे डंकन रुकी नहीं!

डंकन नाचती हुई फार्म के मालिक के घर में गई.

"देखो तो, हमारे घर कौन आया है?" किसान ने पूछा.

"लगता है कि यह नाचने वाली बत्तख है,"

किसान की पत्नी ने कहा.

डंकन पूरे घर में नाचती रही.

वो किसी भी फर्नीचर से नहीं टकराई.

किसान और उसकी पत्नी ने डंकन को
किचन के प्लेटफार्म पर नाचते हुए देखा.
नाचते हुए उसने कोई भी बर्तन नहीं तोड़ा.
"वो बहुत सुन्दर नाचती है," किसान ने कहा.
"सब लोगों को उसका नाच देखना चाहिए,"
किसान की पत्नी ने कहा.

फिर वो डंकन को अपने ट्रक में बैठा कर शहर ले गए.

वहां पर उसे वो एक थिएटर में ले गए.
थिएटर में शो देखने बहुत से लोग आये थे.
"अब तुम यहाँ पर अपना नाच दिखाओ,"
किसान ने डंकन से कहा.
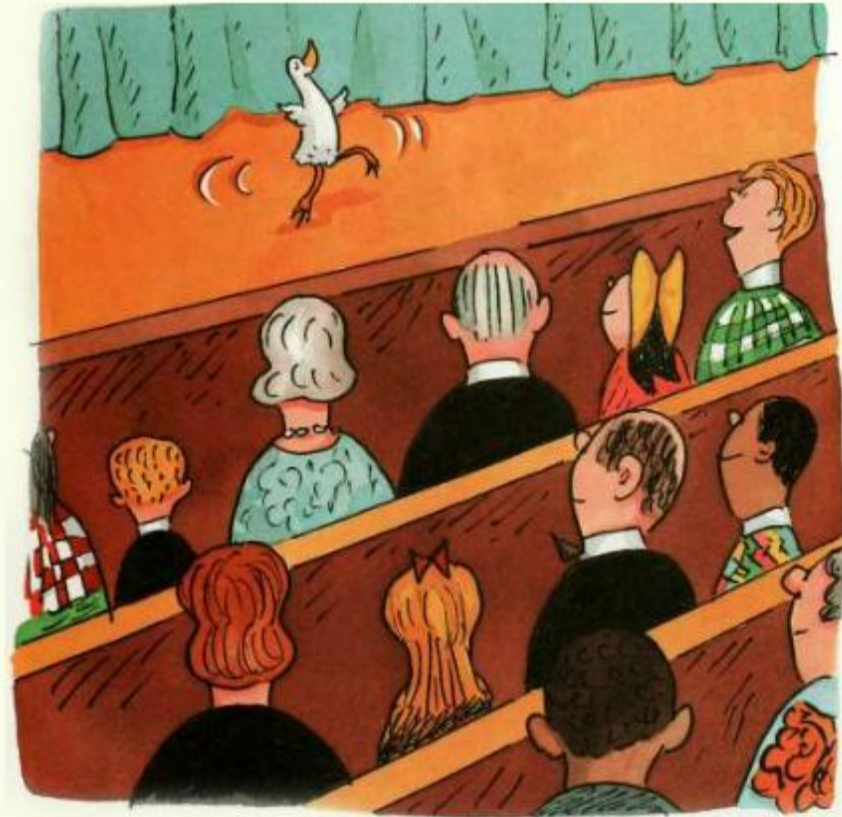
डंकन स्टेज पर जाकर नाचने लगी.
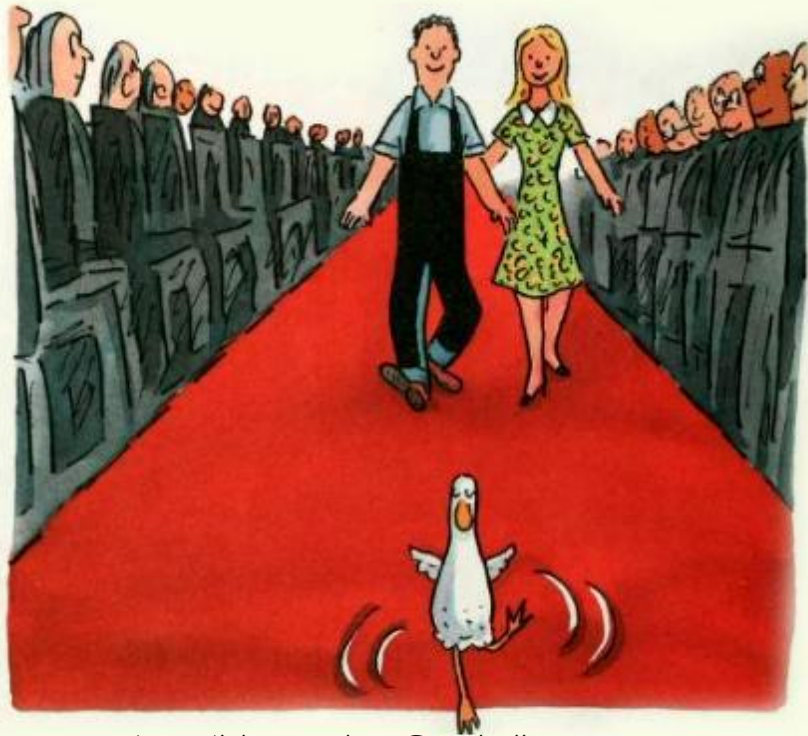
वो सीटों के बीच के गलियारे में भी नाची.

"वाह! क्या नाचती है वो बत्तख!"

सब लोग उसे देखकर चिल्लाए.

"इस बत्तख के हुनर को तो नेशनल टेलीविज़न पर दिखाना चाहिए," किसान की पत्नी ने कहा.

फिर वो डंकन को टेलीविज़न स्टेशन लेकर गए.

वहां पर डंकन कैमरे के सामने बढ़िया नाची.
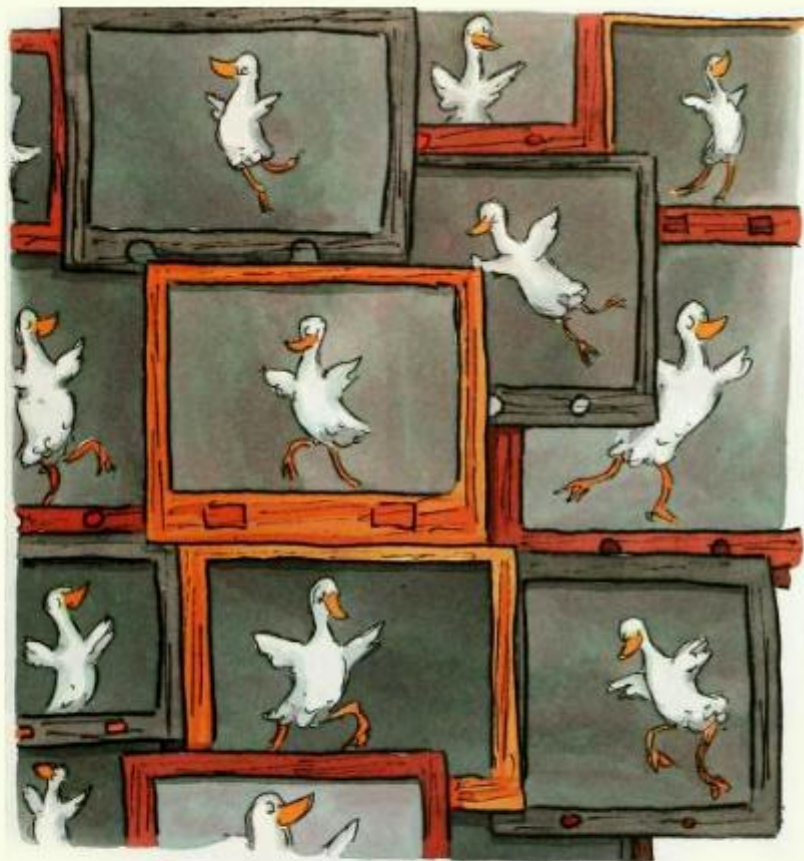
लाखों लोगों ने डंकन का नाच
अपने-अपने टेलीविज़न पर देखा.

उसके बाद डंकन बहुत प्रसिद्ध और लोकप्रिय हुई.

लोग सड़क पर उसका पीछा करने लगे.

बच्चे उससे ऑटोग्राफ मांगते.

कई लोग उसके पंख चाहते थे.

उसके बाद पूरी दुनिया में

डंकन फैन क्लब शुरू हुए.

अंटार्कटिका में भी.
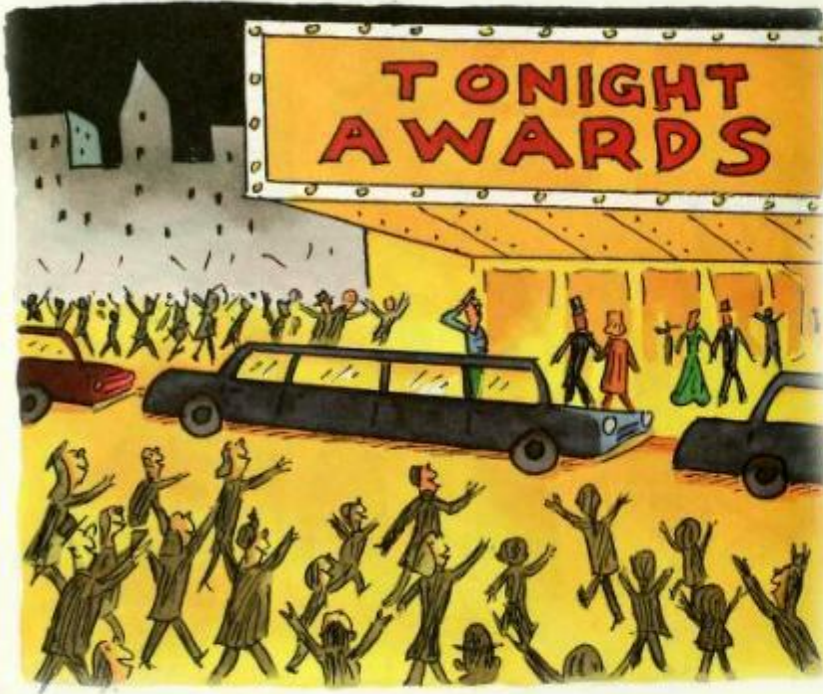
एक रात हॉलीवुड में प्रसिद्ध सिने-सितारों का जलसा था.
सबसे अच्छे सिने-सितारों को पुरुस्कार मिलने वाले थे.
लोगों की बड़ी भीड़ अपने प्रिय सिने-सितारों को देखने आई थी.
जब उनके प्रिय एक्टर उतरते तो लोग ज़ोर से तालियां बजाते.
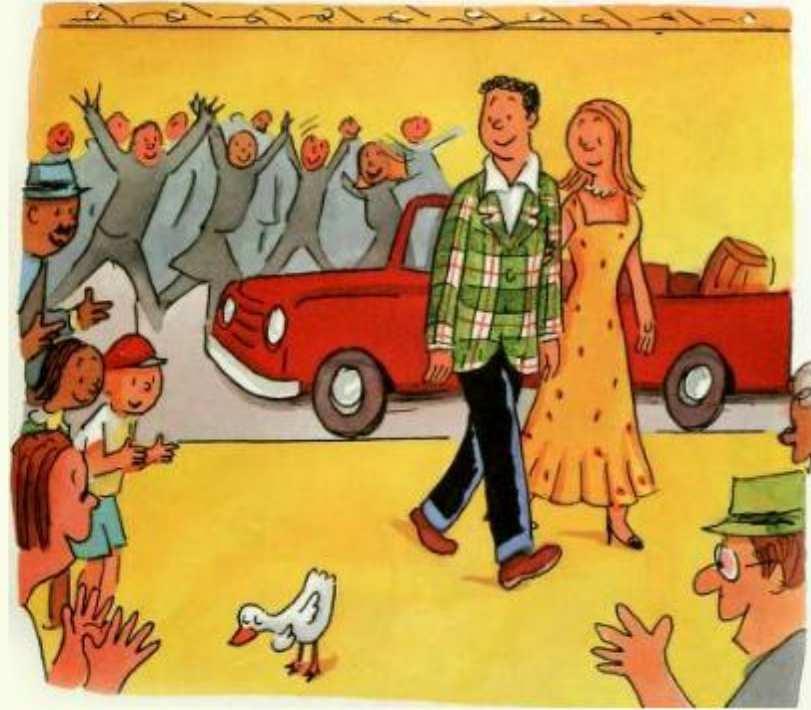
जब डंकन अपने ट्रक में से उतरी
तो उसके प्रशंसक एकदम दीवाने हो गए.
"डंकन! डंकन! डंकन!“ वे चिल्लाए!
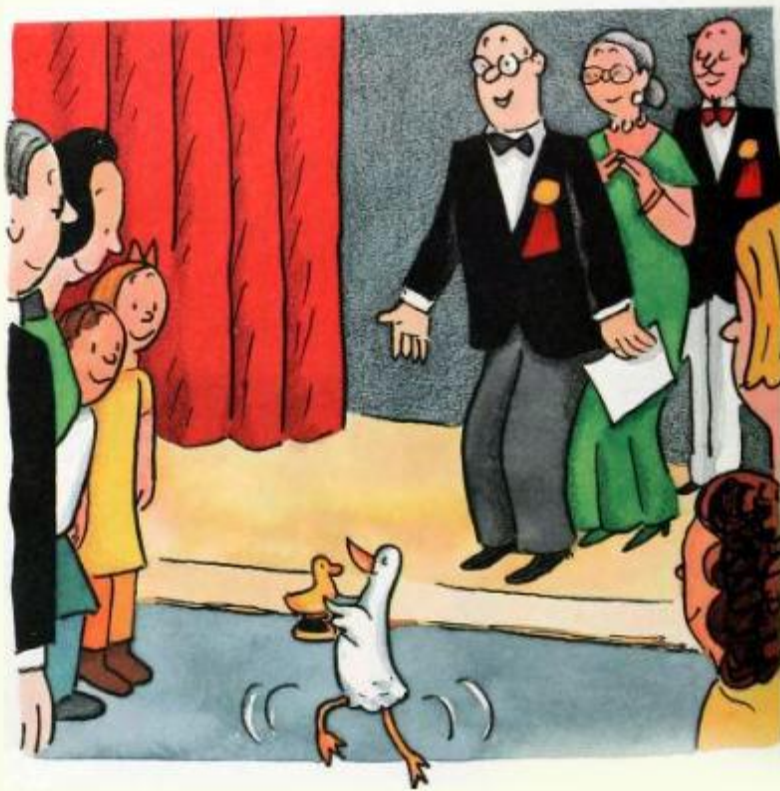
जजों ने डंकन को गोल्डन डक अवार्ड से सम्मानित किया.

"आपका बहुत-बहुत शुक्रिया," डंकन ने कहा.

उसके बाद डंकन ने नाचना शुरू किया.

वो नाची, और बहुत देर तक नाचती ही रही.

अंत में वो थक कर एकदम पस्त हो गई.
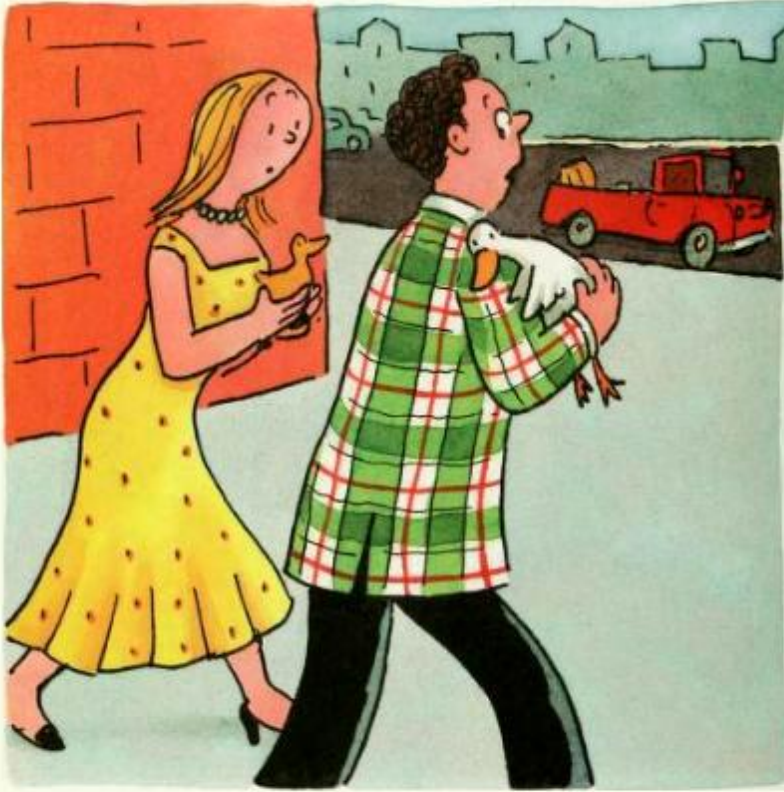
अंत में किसान और उसकी पत्नी डंकन को उठाकर

फार्म पर वापिस लाए.

फार्म लौटते ही डंकन दौड़ी-दौड़ी तालाब पर गई.

अब वो सिर्फ अपने परिवार के साथ पानी में तैरना चाहती थी.
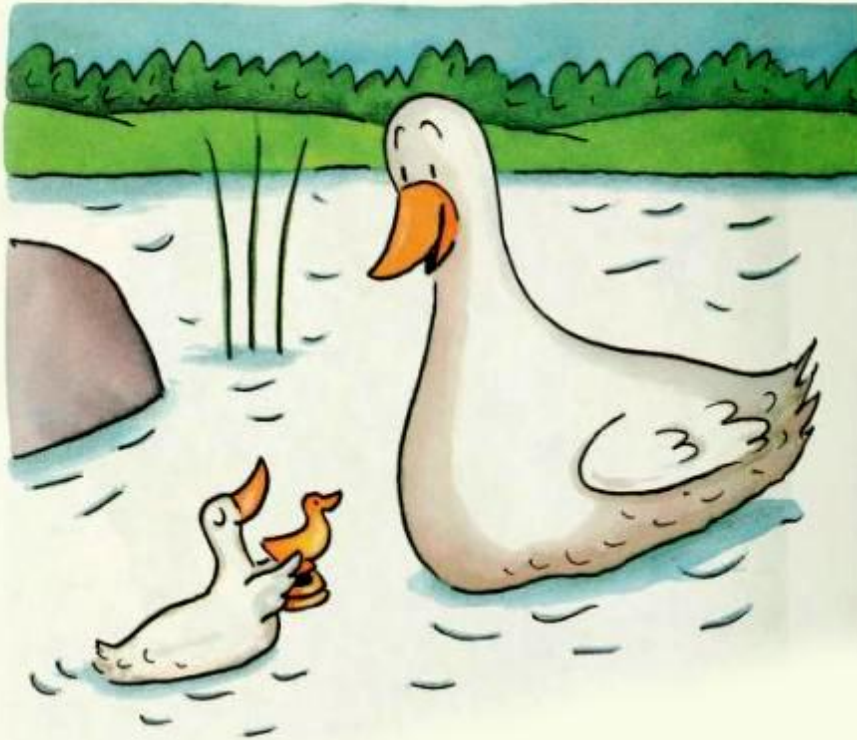
"घर में तुम्हारा स्वागत है," माँ ने डंकन से कहा.
"तुम एक अच्छी बत्तख हो, मुझे तुम पर नाज़ है."
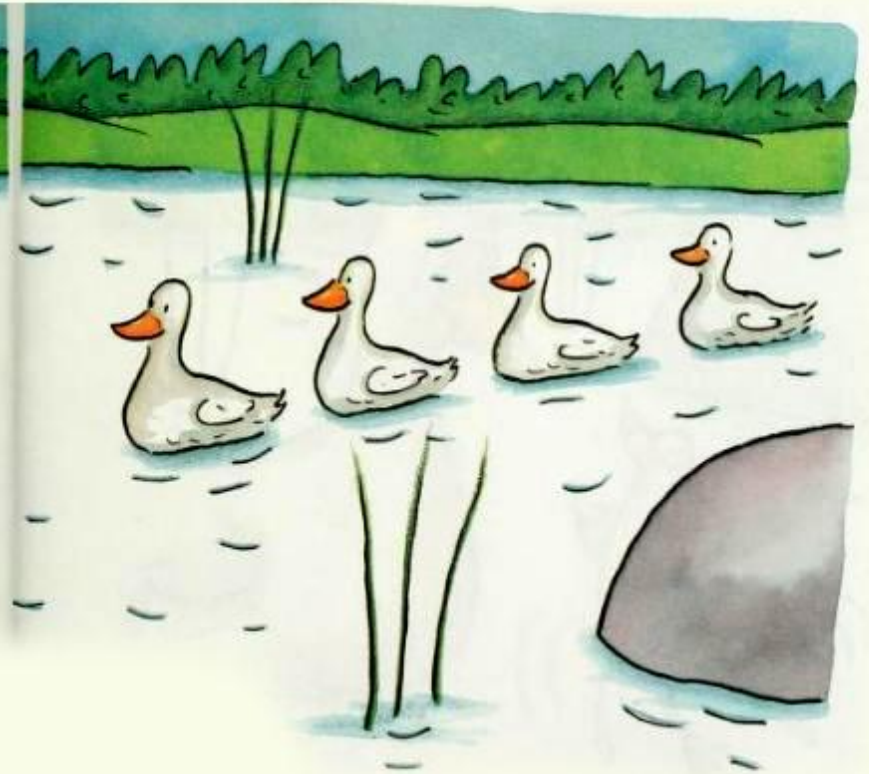
"अब तुम अपने भाई-बहनों के साथ,
सीधी लाइन में तैरो."
यह सुनकर डंकन बेहद खुश हुई.

डंकन एक बार दुबारा फिर से नाची -

सिर्फ अपनी माँ के लिए.

समाप्त